राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने पटना विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय के आधुनिकीकृत भवन का उद्घाटन किया

पटना, 26 जुलाई 2017

''पुस्तकें सफलता में सहयोगी एवं दुःख का साथी होती हैं। जिन लोगों ने किताबों से दूरी बनाई, वे जिंदगी की दौड़ में पीछे रह गए। जिन्होंने किताबों को गले लगाया, उन्हें किताबों ने सँवारा और ऊँचाइयों पर बिठाया। पुस्तकें दीप–स्तम्भ की तरह होती हैं, जिसके प्रकाश में भटका हुआ पथिक भी सही रास्ता ढूँढ़कर निर्विध्न दूर तक यात्रा कर सकता है।'' –उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी ने पटना विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय के नवीकृत भवन का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि आज कक्षा का विकल्प कम्प्यूटर बन गया है। कम्प्यूटर की मदद से ही किताबों का स्थान वेबसाइट ने ले लिया है। एक छात्र को किताबों में जो नहीं मिल रहा है, उसे वेबसाइट दे रही है। यह सच है, किन्तु पूरा सच नहीं। सच का एक पहलू यह भी है कि जो क्रमबद्ध और व्यवस्थित ज्ञान कक्षा–दर–कक्षा एक विद्यालय या विश्वविद्यालय दे सकता है, वह कोई अन्य माध्यम नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि यदि सिर्फ रोजगार परक शिक्षा चाहिए, तो आप बेशक कम्प्यूटर, वेबसाइट और वेब मैग्जीन की ओर जा सकते हैं, लेकिन यदि आप चाहते हैं – विचारों की शिक्षा तथा नई खोजों की दुनिया में प्रवेश करना –तो आपको पुस्तकालय में आकर पुस्तकों का पुजारी बनना होगा। यह सही है कि इलेक्ट्रॉनिक विकास और सूचना क्रांति के युग में हमारे लिए ज्ञानवर्द्धन के अन्य कई साधन भी आज उपलब्ध हैं। परन्तु इन साधनों की अतिशय उपलब्धता ने हमारे ज्ञान–क्षितिज को फैलाने के साथ–साथ, हमारी संवेदना की धार को कई अर्थों में कुंद भी किया है। हम पुस्तकालय में पहुँचकर किताबों से जो रिश्ता बनाते हैं, वह कई मायनों में विशिष्ट होता है। पुस्तकों के साथ इंटरनेट का रिश्ता भावनात्मक नहीं होता।

कार्यक्रम को पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने संबोधित करते हुए पुस्तकालय भवन में उपलब्ध सुविधाओं को विस्तारित करने की जानकारी दी और कहा कि इसे और अधिक आधुनिकीकृत बनाया जायेगा। कार्यक्रम में नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रविन्द्र कुमार सिन्हा, प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉली सिन्हा, पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो॰ श्रीराम पद्मदेव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

.....